फोटो

1- व्यक्तिगत जानकारी

नाम - संजय लोखंडे

पता - 104 ए अभिनन्दन नगर इंदौर 452010

मोबाईल - 94250 -74044

शिक्षा - एम. कॉम. (एकाउंट्स / टेक्सेशन), एम् ए. (समाजशास्त्र / मनोविज्ञान)

सेवा क्षेत्र - पूर्ण कालीन सामाजिक कार्यकर्ता - मुख्यत: दृष्टि - दिव्यांग क्षेत्र

उम्र - 62 वर्ष

समाज सेवा का अनुभव - 40 वर्ष

2- जीवन परिचय:-

इंदौर नगर में जन्मे तथा नगर के अत्यधिक गरीब परिवार एवं सामान्य तबके के बीच रहकर शिक्षा, खेल, संगीत एवं सामाजिक सेवा को नजदीक से जानते हुए मैंने शुरुआती शिक्षा खजुरी बाजार की मराठी मीडियम स्कूल में निशुल्क प्राप्त की। शिक्षा में रुचि होने से आगे की शिक्षा महाराजा शिवाजी राव स्कूल में कॉमर्स विषय लेकर की । बाद में स्नातक एवं स्नातकोत्तर वी कॉम एवं एम काम (प्रबंध और टैक्सेशन) में की। पारिवारिक आर्थिक परिस्थति के चलते उच्च शिक्षा में ना जा सकने के कारण शिक्षा के साथ-साथ छोटी-छोटी नौकरी खेल प्रशिक्षक के रूप में की। आगे चलकर डबल एम ए (समाजशास्त्र) एवं मनोविज्ञान में किया ।

3- सामाजिक जीवन:-

बचपन से पिता धार्मिक स्वभाव एवं परिवार के अन्य लोगो की दूसरों के प्रति - सहायता करने की भावना एवं कालेज के दिनों में NSS के शिविरों में विभिन्न अनेक गरीब बस्तियों में कार्य के दोरान पीडित / दिव्यांग लोगो के दर्द को नजदीक से जानना आर्थिक अभाव के कारण पढाई ना होना, लोगों का नशा करना, साफ सफाई आदि के कारण बीमारियों से लड़ना ऐसे अनेक कारण से समाज सेवा करने की प्रेरणा मिली इसी वीच दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कोर्स रिकार्ड करने का अवसर मिला, उनकी संस्थाओ और घर में आने जाने का अवसर मिला तो जीवन का उद्देश्य ही बदल गया दृष्टिबाधित, शारीरिक रूप से अपंग, सेलेब्रल पाल्सी बच्चों की जीवन की कठिनाइयों को जाना इसके बाद इनके लिए निरंतर कार्य किया |

4- समाज सेवा का क्षेत्र (दृष्टि दिव्यांग के लिए किये कार्य):-

NAB Indore में विकास अधिकारी के रूप में सेवा करने का अवसर मिला, यहाँ आने के बाद अधिकारिक रूप से दिव्यांग जनों के लिए खुलकर कार्य करने का अवसर मिला.

दृष्टि-दिव्यांग के लिए प्रदेश स्तर पर मिनी कंप्यूटर आधारित ब्रेल प्रेस की स्थापना.

रोजगार इकाई की स्थापना व्यावसायिक परीक्षा हेतु कोचिंग सुविधा, प्रदेश के चार जिलो में जिला शाखा की स्थापना, चार आवासीय केन्द्रों का संचालन नवीन तकनीको पर आधारित शिक्षा, कार्यशालाए (शासकीय एवं अशासकीय), शिक्षक-प्रशिक्षक राज्य एवं केंद्र स्तरिय प्रशिक्षण का आयोजन, प्रदेश में पहली बार दृष्टी दिव्यांगजनों के लिए "ब्लाइंड क्रिकेट टीम का गठन इंदौर भोपाल, झाबुआ आदि जगह क्रिकेट मैच आयोजित कर ब्लाइंड क्रिकेट को प्रदेश में पहचान दिलाना । शासन के साथ मिलकर जिला एवं राज्य स्तरिय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होम विजित तू दी ब्लाइंड योजना का प्रदेश में आरंभ । दृष्टी दिव्यांगजनों के लिए शासकीय - अशासकीय नौकरियों में करीब 400 से अधिक बच्चो को बैंक, रेलवे, बीमा, स्कूल एवं शासन के अनेक विभागों में नौकरिया उपलब्ध करने हेतु अथक प्रयास। दृष्टिहीनों के लिए परिचय सम्मेलनों का आयोजन वर्ष 2000 से निरतर तथा अभी तक 60 से जोड़ो का निशुल्क सफल विवाह संपन्न कराये गए ।

5- अन्य दिव्यांगो के लिए किये कार्य:-

दृष्टि दिव्यांग के अलावा मूक बधिर मैंटली शारीरिक दिव्यांग वृद्ध आदि तरह के दिव्यांगजनों के लिए खेलकूद, शिक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रम मूक बधिर थाना की स्थापना एकीकृत शिक्षा योजना का प्रदेश में सफलता से संचालन , शिक्षक प्रशिक्षण आदि कार्य किये ।

अल्य संस्थाए जिनके साथ कार्य किया रोटरी क्लब मेन. लायंस क्लब आनंद सर्विस सोसाइटी, आत्म अनुभूति सार्वजानिक वाचनालय महाराजा यशवंतराव क्रिकेट क्लब, एकता क्लब मध्य प्रदेश दृष्टिहीन कल्याण संघ, राष्ट्रीय दृष्टिहीन संगठन भोपाल ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन भोपाल इंदौर सोसाइटी फोर प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस इंदौर, रोटरी पाल हेरिस स्कूल, अनिरुद्ध बैंक फॉर दी ब्लाइंड मुंबई आदि ।

6- परिवार का सहयोग रवं नजरिया :-

परिवार द्वारा सदैव सहयोग दिया, धर्मपत्नी एवम् बच्चे, पारिवारिक मित्र, कार्य को सराहते रहे, उनका नजरिया सकारात्मक, संतोष जनक रहा।

7- अवार्ड एवं सम्मान :-

सम्पूर्ण जीवन में शासन सामाजिक संस्थाओ सर्विस क्लुबो समाचार पर्ने आदि से अनेक बार संम्मानित किया गया, जिसमे तारे जमीं पर आनंद मोहन माथुर समाज सेवा पुरस्कार मूक बधिर पुलिस इंदौर द्वारा, लायंस, रोटरी क्लब्स सक्षम इंदौर, भोपाल आदि ।

8- अच्छे बुरे अनुभव :-

दिव्यांगता के लिए कार्य करना एक चुनोती से कम नहीं होता, ऐसे लोगो के लिए काम की तुलना हमेशा सफल परिणाम की अपेक्षा लिए होती है जो हर बार संभव नहीं होता ऐसी स्थिति में कई बार लाभार्थी को अनुकूल परिणाम नहीं आने से उनकी नाराजी ओर उपेक्षा सहनी पड़ती है. कई बार पक्षपात के आरोप भी सहने होते हैं ये अनुभव आपको कमजोर नहीं वरन और मजबूती से कार्य करने की प्रेरणा देता है। अच्छे अनुभव मेरे जीवन में अधिक है, दिव्यांग बच्चो को परीक्षा, खेल, नौकरी में सफल होने पर अपने स्वय के बच्चे के सफल होने का अहसास -बहुत अच्छा अनुभव रहता है, दिव्यांगजन उनके सफल होने का श्रेय गुरु/मार्गदर्शक होनेव के नाते जब देते है तब जो अनुभव होता है वो जीवन की उपलब्धि जैसा लगता है ।

9- समाज के लिए सन्देश :-

मेरे जीवन गाथा से यही सीख मिली की कभी भी हताश नहीं होना चाहिए । ईश्वर प्रत्येक को जीवन में कई बार आगे बढ़ने का अवसर देता है, उसे पहचान कर आगे बढे निर्णय लेंवे किसी भी काम में संकोच ना करे | हमेशा परिस्थिति को समझकर अपने लिए उचित निर्णय लेवे सफलता जरूर मिलेगी। हमेशा उसकी सहायता करे जिसे आपकी जरुरत हो जो आपसे सबसे ज्यादा अपेक्षा रखता हो उसे निराश कभी नहीं करे ।

10- समाज सेवियों के लिए सन्देश :-

आप जब भी कभी समाज सेवा का प्रण ले तो ये मन में रखे की ये कार्य आप अपने स्वय के निर्णय से कर रहे है. कोई आपको दबाव नहीं डाल रहा है, वहीकाम करे जो आपको और दूसरो को परिवार को खुशी दे. आपको जो मान-सम्मान समाज से प्रास हुआ है उसे असहाय लोगों की सहायता करके वापस समाज को देने की कोशिश करे।